कानपुर, रविवार
14 जून, 2026
कानपुर देहात संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 22+4=26

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

खेत बचाओ अभियान के तहत किया जागरूक

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीपनगर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को विकासखंड अमरौधा के ब्हेरीमाह, मांचा, किशनपुर, सुजगवां और मऊ खास गांवों में खेत बचाओ अभियान के तहत कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की जानकारी दी गई।

किसानों को जानकारी देते विज्ञानी डा. खलील खान ● स्वयं

कृषि विज्ञानी डा. खलील खान ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा जल संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से खेती अपनाकर किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता भी बनाए रख सकते हैं। कृषि विज्ञानी डा. राजेश राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने और बागवानी फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी दी। भूमि संरक्षण विभाग के विमल कुमार ने आधुनिक कृषि तकनीकों और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के अध्यक्ष सूरजभान सिंह ने मृदा परीक्षण, जैविक खादों के उपयोग और खेत संरक्षण के व्यावहारिक उपायों के बारे में किसानों को जागरूक किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञों से चर्चा कर तकनीकी सलाह प्राप्त की। वक्ताओं ने बताया कि खेत बचाओ अभियान एक देशव्यापी कार्यक्रम है, जो 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर कृषि विभाग के बलबीर प्रजापति, विजय कुमार साहू, सोनल कुमार, जयवीर सिंह, दौलत सिंह, किसान सखी मीनू रहीं।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 338 कानपुर, रविवार 14 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

खेत बचाओ अभियान के तहत हुआ कृषक जागरुकता कार्यक्रम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को विकासखंड अमरौधा के गांव बहेरीमाह, मांचा, किशनपुर, सुजगवां एवं मऊ खास में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किये गए। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात के कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उपायों से अवगत कराया।मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा बागवानी फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जानकारी दी। भूमि संरक्षण विभाग से विमल कुमार ने आधुनिक कृषि तकनीकों एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व को बताया। वहीं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के अध्यक्ष सूरज भान सिंह ने मृदा परीक्षण, जैविक खादों के उपयोग तथा खेत संरक्षण के व्यावहारिक उपायों पर किसानों को जागरूक किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञों से चर्चा कर तकनीकी सलाह प्राप्त की। बताया गया कि खेत बचाओ अभियान एक देशव्यापी कार्यक्रम है, जो 1 जून से 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर कृषि विभाग से बलबीर प्रजापति, विजय कुमार साहू, सोनल कुमार, जयवीर सिंह, दौलत सिंह एवं किसान सखी मीनू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रविवारीय
कानपुर, रविवार
14 जून, 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष 14
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 292 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कृषक जागरूकता कार्यक्रम में खेत बचाओ अभियान की सफलता का लिया संकल्प

माती कानपुर देहात। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार को विकासखंड अमरौधा के गांव बहेरीमाह मांचा किशनपुर सुजगवां एवं मऊ खास में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किये गए । कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र कानपुर देहात के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण संतुलित उर्वरक उपयोग मृदा परीक्षण जैविक एवं प्राकृतिक खेतीए जल संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उपायों से अवगत कराया।मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा बागवानी फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जानकारी दी। भूमि संरक्षण विभाग से विमल कुमार ने आधुनिक कृषि तकनीकों एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व को बताया। वहीं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के अध्यक्ष सूरज भान सिंह ने मृदा परीक्षण जैविक खादों के उपयोग तथा खेत संरक्षण के व्यावहारिक उपायों पर किसानों को जागरूक किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञों से चर्चा कर तकनीकी सलाह प्राप्त की। बताया गया कि खेत बचाओ अभियान एक देशव्यापी कार्यक्रम है जो 1 जून से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर कृषि विभाग से बलबीर प्रजापति विजय कुमार साहू सोनल कुमार जयवीर सिंह दौलत सिंह एवं किसान सखी मीनू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बहुभाषी दैनिक समाचार पत्र

कानपुर से प्रकाशित

E-mail :- deekshalayapravah@gmail.com

दीक्षालय प्रवाह

RNI number-upmul-2023/88378

वर्ष : 04 अंक : 12 कानपुर, 14 जून, 2026 पेज-8 मूल्य : 3 रुपये

> पढ़ें पेज 2 पर

खेत बचाओ अभियान के तहत

कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आज विकासखंड अमरौधा के गांव बहेरीमाह, मांचा, किशनपुर, सुजगवां एवं मऊ खास में खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किये गए। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, कानपुर देहात के कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उपायों से अवगत कराया।मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा बागवानी फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जानकारी दी। भूमि संरक्षण विभाग से विमल कुमार ने आधुनिक कृषि तकनीकों एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व को बताया। वहीं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के अध्यक्ष सूरज भान सिंह ने मृदा परीक्षण, जैविक खादों के उपयोग तथा खेत संरक्षण के व्यावहारिक उपायों पर किसानों को जागरूक किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया और कृषि संबंधी समस्याओं पर विशेषज्ञों से चर्चा कर तकनीकी सलाह प्राप्त की। बताया गया कि खेत बचाओ अभियान एक देशव्यापी कार्यक्रम है, जो 1 जून से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाना है। इस अवसर पर कृषि विभाग से बलबीर प्रजापति, विजय कुमार साहू, सोनल कुमार, जयवीर सिंह, दौलत सिंह एवं किसान सखी मीनू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

किसानों को जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक।

खेत बचाओ अभियान के तहत हुआ कृषक जागरुकता कार्यक्रम

कानपुर, 13 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज विकासखंड अमरौधा के गांव बहेरीमाह, मांचा, किशनपुर, सुजगवां एवं मऊ खास में खेत बचाओ अभियान के तहत कृषक जागरूकता कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा परीक्षण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती करने और भूमि की उर्वरता बनाए रखने के उपायों से अवगत कराया।मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा बागवानी फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर जानकारी दी। भूमि संरक्षण विभाग से विमल कुमार ने आधुनिक कृषि तकनीकों एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व को बताया। वहीं मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के अध्यक्ष सूरज भान सिंह ने मृदा परीक्षण, जैविक खादों के उपयोग तथा खेत संरक्षण के व्यावहारिक उपायों पर किसानों को जागरूक किया। यह अभियान एक देशव्यापी कार्यक्रम है, जो एक से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाना है। इस इस दौरान बलबीर प्रजापति, विजय कुमार साहू, सोनल कुमार, जयवीर सिंह, दौलत सिंह एवं किसान सखी मीनू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मिट्टी की जांच के बाद जरूरत के अनुसार प्रयोग करें उर्वरक

किसानों को जागरूक करते कृषि वैज्ञानिक। स्रोत : कृषि वैज्ञानिक

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर देहात। अमरौधा ब्लॉक के मांचा, बहेरीमाह, किशुनपुर, सुजगवां व मऊखास में शनिवार को कृषि वैज्ञानिकों ने खेत बचाओ अभियान के तहत जागरूकता गोष्ठी की। कृषि वैज्ञानिकों ने खेत की मिट्टी की जांच कराने और जरूरत के अनुसार ही रासायनिक उर्वरक प्रयोग पर जोर दिया।

कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर व कृषि विभाग की ओर से यह कार्यक्रम हुए। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने बताया कि मृदा स्वास्थ्य परीक्षण बहुत जरूरी है। इससे मिट्टी में पोषक तत्वों की मौजूदगी की सही स्थिति का पता चलता है। इसके बाद जरूरत के अनुसार ही रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए। बिना जरूरत अधिक उर्वरक प्रयोग से मिट्टी की सेहत खराब हो जाती है। इसका बाद में उत्पादन पर असर पड़ता है। उन्होंने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के फायदे बताए।

इसके साथ ही हरी खाद का प्रयोग कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के बारे में बताया। कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर राजेश राय ने मृदा की उर्वरता बनाए रखने तथा बागवानी फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी दी। भूमि संरक्षण विभाग से विमल कुमार ने आधुनिक कृषि तकनीकों एवं संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के महत्व को बताया।

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला बारा के अध्यक्ष सूरज भान सिंह ने मृदा परीक्षण, जैविक खादों के उपयोग तथा खेत संरक्षण के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। यहां कृषि विभाग से बलबीर प्रजापति, विजय कुमार साहू, सोनल कुमार, जयवीर सिंह, दौलत सिंह एवं किसान सखी मीनू आदि रहे।